सीवरेज चेंबर बने हादसों का कारण, लोग परेशान

▸ कहीं सड़क से ऊंचे, तो कहीं धंसे चेंबर, जर्जर लोहे की पट्टियां

बड़वानी, (नवभारत)। शहर में चल रहे सीवेज प्रोजेक्ट की अव्यवस्थित कार्यप्रणाली अब आमजन के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। करोड़ों रुपए की लागत से बिछाई जा रही सीवेज लाइन के चेंबर सड़क सुरक्षा के लिए चुनौती बन गए हैं।

शहर के कई स्थानों पर चेंबर सड़क से छह से आठ इंच तक ऊंचे हैं, जबकि कई जगह वे धंसकर गड्ढों में बदल चुके हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति चेंबर ढक्कनों के आसपास लगी लोहे की पट्टियों की है, जो टुटकर धारदार किनारों में बदल गई हैं। इससे राहगीर और दोपहिया वाहन चालक घायल हो रहे हैं।

शहर के बोहरावाड़ी, सुख विलास कॉलोनी, रणजीत चौक, एमजी रोड, कारंजा से अंजड़ नाका मार्ग और तिरछी पुलिया से योग माया मंदिर तक, एकलव्य नगर सहित कई क्षेत्रों में हालात बेहद खराब हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेका कंपनी मनमाने तरीके से काम कर रही है, जबकि संबंधित विभाग शिकायतों के बावजूद मौन बना हुआ है। शहरवासियों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो हादसा हो सकता है।

ऊंचे चेंबर से गिरा बाईक चालक

हमारे वार्ड में चेंबर सड़क से करीब छह इंच ऊंचा है। एक बाईक चालक यहां गिरकर घायल हो चुका है। ठेकेदार शिकायत सुनने को तैयार नहीं।

शोभाराम राठौर, नवलपुरा

लोहे की पट्टियां बनी खतरा

पैदल चलना मुश्किल हो गया है। सीवेज के चेंबर के आसपास धारदार लोहे की पट्टियों से वाहन चालकों के पैर तक कट रहे हैं। विकास कार्य के नाम पर लोगों की सुरक्षा से खिलवाड़ हो रहा है।

कौशल्या सस्ते, रहवासी

धंसे चेंबर से बना गड्ढा

कारंजा चौक से नगर पालिका मार्ग पर चेंबर धंस गया है। वहां बड़ा गड्ढा बन चुका है और वाहन चालकों को हमेशा दुर्घटना का डर बना रहता है।

रवि वर्मा, वाहन चालक

शिकायत पर कराया जा रहा सुधार

सड़क में ऊंचे एवं धंसे चेंबरों का लगातार सुधार कार्य कराया जा रहा है। जहां भी शिकायतें मिल रही हैं, वहां चेंबर चिह्नित कर लेवल सुधार किया जा रहा है। कारंजा से अंजड़ नाका मार्ग पर सडक़ निर्माण एजेंसी की त्रुटि के कारण कुछ चेंबर नीचे रह गए हैं, जिन्हें भी ठीक कराया।

रवि जाधव, प्रोजेक्ट मैनेजर सीवेज निर्माण एजेंसी

कई क्षेत्रों में ढक्कन टूटे, चेंबर भी जर्जर

बोहरावाड़ी, वार्ड 1, 2, 3, 14 व 17 सहित कई क्षेत्रों में सीवर चेंबर जर्जर होकर टूटने लगे हैं। चेंबर के ढक्कनों के आसपास लगी लोहे की पट्टियां उखड़ चुकी हैं, जो राहगीरों के लिए खतरा बन गई हैं। सुख विलास कॉलोनी व कई इलाकों में बुजुर्ग और बच्चे इन पट्टियों से टकराकर घायल हो चुके हैं। रात के समय चेंबर दिखाई नहीं देने से वाहन चालक अनियंत्रित होकर गिर रहे हैं। लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण से पहले ही सीवेज चेंबरों की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए थी, लेकिन लापरवाही के कारण पूरा शहर दुर्घटना क्षेत्र में बदलता जा रहा है।

कल मनाई जाएगी दुर्लभ पद्मिनी एकादशी

बड़वानी, (नवभारत)। भगवान विष्णु को समर्पित पवित्र पुरुषोत्तम मास की एकादशी इस वर्ष 27 मई को श्रद्धा और आस्था से मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसे पद्मिनी एकादशी भी कहा जाता है, जो हर वर्ष नहीं आती है, बल्कि केवल अधिकमास में ही आती है। यही वजह है कि इस एकादशी का महत्व सामान्य एकादशियों से कहीं अधिक माना जाता है।

इस बार करीब 3 साल बाद ये विशेष संयोग बन रहा है, जिसे ज्योतिष और धर्म दोनों दृष्टियों से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार पुरुषोत्तम एकादशी पर कई दुर्लभ और शुभ संयोग बन रहे हैं। बुधवार का दिन स्वयं भगवान विष्णु और श्रीगणेश को समर्पित माना जाता है। ऐसे में इसी दिन पद्मिनी एकादशी पड़ने से इसका महत्व कई गुना बढ़ गया है।

दान-पूजा का मिलेगा सैकड़ों गुना फल

अधिकमास के स्वामी स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु माने जाते हैं। इस माह में जरूरतमंदों को अन्न, जल, वस्त्र और धन का दान करना अत्यंत पुण्यकारी माना है। मान्यता है कि इस दिन किए गए जप, तप, दान और उपासना का फल सामान्य दिनों की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक प्राप्त होता है।

एक नजर में

बिजली के तार और पुराने विद्युत पोल में सुधार की मोहल्लेवासियों ने उठाई मांग

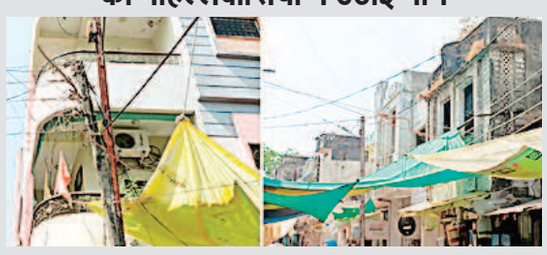

पानसेमल। नगर के अधिकतर वार्डों में विद्युत वितरण केबलों के माध्यम से किया जा रहा। लेकिन क्षेत्र में कहीं-कहीं स्थानों पर पुराने विद्युत पोल एवं बिजली के तार अब भी लगे हुए हैं, जिनकी स्थिति को देखते हुए वर्षाकाल के दौरान अप्रिय घटनाओं का भय रहवासीयों में बना हुआ है। नगर के सब्जी मंडी के निकट सचिन अग्रवाल के मकान के निकट पुराना विद्युत पोल स्थापित है। जिस पर लगे तारों से प्लास्टिक की पाल एवं ग्रीन नेट बंधी हुई है। दुकानदारों एवं रहवासियों का मानना है कि वर्षाकाल के दौरान कुछ समस्या उत्पन्न हो सकती है। रहवासियों एवं दुकानदारों ने मांग की है कि तारों एवं विद्युत पोल को दुरुस्त किया जाए या इसे हटाकर केबल लगवाई जाए। समस्या को लेकर कनिष्ठ यंत्री राजेंद्र पटेल ने बताया कि संबंधित लाइनमैन को भेजकर जांच के बाद सुधार कराया जाएगा।

राम मंदिर में भागवत कथा का पारायण

निवाली, (नवभारत)। नगर में अधिक मास के प्रारंभ से श्रीराम मंदिर समिति ने 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया। जिसमें प्रतिदिन भगवान श्री कृष्ण के प्रसंग, श्री कृष्ण जन्म, गोवर्धन, गोपीरास रूखमणि विवाह, कृष्ण सुदामा मिलन पर सजीव झांकी बनाई गई। वहीं भक्तिमई हुई नगर की जनता ने सातों दिन बड़ी संख्या में कथा का श्रवण किया।

अंतिम दिन की कथा में डोंगरगांव कसरावद के कथा वाचक पीयूष जी शर्मा ने कहा रिश्तेदार साथ दे न दे, लेकिन मित्र हर परिस्थित में साथ देता है। सत्य ही नारायण है और नारायण ही सत्य है। हम सत्य नारायण की कथा जरूर कराते है, लेकिन सत्य को धारण नहीं करते। प्रतिदिन यजमानों ने अभिषेक पुजन कर आरती की तथा प्रसादियों का वितरण किया गया।

अंतिम दिन समिति द्वारा पूर्ण आहुति कर 500 से अधिक कन्याओं को भोजन कराकर भंडारा सम्पन्न हुआ। कथा समाप्ति के बाद शोभायात्रा निकाली, जो प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री राम मंदिर पहुंची। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे भजनों पर झुमते नजर आए। यात्रा का जगह-जगह स्टॉल लगाकर स्वागत किया गया।

विधायक श्याम बर्डे ने भक्तों के साथ नीचे बैठ कर कथा का श्रवण किया। साथ ही गुरुजी को शाल और श्रीफल से सम्मानित कर मंच से मंदिर के प्रवेश द्वार की घोषणा की। श्री बर्डे ने कहा कि भागवत कथा श्रवण करना हमारा सौभाग्य है। धार्मिक आयोजनों से वातावरण शुद्ध होता है। श्रीराम मंदिर का स्वागत द्वार जल्द ही बनाया जाएगा। निर्माणाधीन श्री गायत्री मंदिर में भी सहयोग देने की बात कही। नगर अध्यक्ष तरुणा नरेंद्र सिसोदिया ने पार्षदों के साथ पहुंच गुरुजी को शाल व श्रीफल से सम्मानित कर समिति की मांग पर मंच का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की।

जैन समाज ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

▸ संेधवा में जैन समाज की मौन रैली,
▸ रीवा साध्वी हादसे की न्यायिक जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

सेंधवा, (नवभारत)। रीवा में जैन साध्वियों की कार दुर्घटना में मौत के विरोध में सेंधवा के सकल जैन समाज ने मौन रैली निकालकर तहसीलदार राहुल सोलंकी को ज्ञापन सौंपा। समाज ने मामले की न्यायिक जांच, डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने और संत सुरक्षा नीति लागू करने की मांग की।

मौन रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

सेंधवा में सोमवार को सकल जैन समाज ने रीवा में हुई घटना के विरोध में मौन रैली निकाली। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री, कलेक्टर और एसडीएम के नाम तहसीलदार राहुल सोलंकी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आचार्य विद्यासागरजी महाराज की शिष्या आर्यिका 105 श्रुतमती माताजी और आर्यिका 105 उपशममति माताजी की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया गया।

न्यायिक जांच और संत सुरक्षा नीति की मांग

जैन समाज ने घटना को केवल हादसा नहीं बल्कि गंभीर लापरवाही या संभावित साजिश बताया। समाज ने उच्च स्तरीय न्यायिक जांच या विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की। ज्ञापन में सभी डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने तथा देशभर में पैदल विहार करने वाले साधु-संतों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संत सुरक्षा नीति और संत सुरक्षा प्रावधान लागू करने की मांग भी की गई। समाज ने कहा कि जांच में साजिश की पुष्टि होने पर दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में सकल जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ गौतम की अध्यक्षता में हुई टीएल बैठक

आलीराजपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संघमित्रा गौतम की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए सीईओ श्रीमती गौतम ने सभी विभागों को शिकायतों का शीघ्र एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर ए ग्रेड प्राप्त करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ गौतम ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं नगर परिषद सीएमओ को जनभागीदारी से कार्यों में तेजी लाकर समय पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ गौतम ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया गया कि जिन क्षेत्रों में लोग कुओं के पानी का उपयोग पेयजल के रूप में कर रहे हैं, वहां साफ-सफाई एवं पानी का क्लोरीनेशन कराया जाए। जहां हैंडपंप की आवश्यकता हो, वहां शीघ्र खनन कार्य करवाने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान पर्यटन विभाग को जलाशयों में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए नावों में आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। वहीं गृह विभाग को विस्फोटक अधिनियम के तहत खारिज लाइसेंसों के नवीनीकरण, भंडारण स्थलों के निरीक्षण तथा अवैध बिक्री की जांच करने के निर्देश दिए गए। राजस्व विभाग को आगामी मानसून को देखते हुए आपदा प्रबंधन की तैयारियां सुनिश्चित करने, जलभराव वाले स्थलों का निरीक्षण करने एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही नगर निकायों के सीएमओ को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसमें कचरा वाहन संचालन की गाइडलाइन का पालन, कचरा नहीं जलाने तथा कांच एवं प्लास्टिक की बोतलों का अलग भंडारण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कृषि विभाग से खाद की उपलब्धता एवं ई-टोकन वितरण व्यवस्था की जानकारी ली गई।

गंगा दशहरा पर अगलगोटा में निकली कलश यात्रा

आलीराजपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर विकासखंड कठ्ठीवाड़ा के सेक्टर चांदपुर अंतर्गत प्रस्फुटन ग्राम अगलगोटा में जल स्त्रोत संरक्षण एवं जनजागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पंचायत चांदपुर से अगलगोटा स्थित प्राचीन बावड़ी तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें ग्रामीण महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया।

कलश यात्रा के पश्चात प्राचीन बावड़ी परिसर में सामूहिक श्रमदान एवं साफ-सफाई कार्य किया गया। उपस्थित जनसमुदाय ने बावड़ी से गंदगी एवं कचरा हटाकर जल स्त्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखने का संकल्प लिया। इसके उपरांत आयोजित जल चौपाल एवं जल संवाद में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के महत्व तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। जल संवाद के माध्यम से ग्रामीणों को जल के प्रति संवेदनशील बनाते हुए सामुदायिक सहभागिता से जल स्त्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थितजनों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। ग्रामीणों ने भी जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

गंगा दशमी पर जोबट में जल संरक्षण और पानी बचाने को लेकर कार्यक्रम

कलश यात्रा, श्रमदान और जनभागीदारी से दिया जल बचाने का संदेश

आलीराजपुर। अलीराजपुर जिले के विकासखंड जोबट में गंगादशमी के पावन अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को लेकर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, नगर परिषद जोबट एवं ग्राम पंचायत कोसदूना के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण, पारंपरिक जल स्त्रोतों के संवर्धन तथा जनभागीदारी का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

नगर जोबट में मातृशक्ति, छात्र-छात्राओं एवं नगरवासियों की सहभागिता से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धा और भक्ति भाव से निकली यह यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी तथा जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। यात्रा के पश्चात शंकर मंदिर घाट स्थित डोही नदी पर गंगा मैय्या की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जल स्त्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखने का संकल्प लिया गया। ग्राम पंचायत कोसदूना के तालाब फलिया में जनसहभागिता आधारित जल संरक्षण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान तालाब एवं पुरानी बावड़ी से गाद निकालने, साफ-सफाई तथा सुधार कार्य किए गए। ग्रामीणों ने तालाब से निकली मिट्टी को ट्रैक्टरों के माध्यम से अपने खेतों तक पहुंचाया, जिससे जल ग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ खेतों की उत्पादकता में भी वृद्धि होगी। अभियान के प्रथम दिवस में 49 ट्राली मिट्टी निकालकर लगभग 138.67 घन मीटर जल ग्रहण क्षेत्र बढ़ाने का कार्य किया गया।

एसडीएम वीरेंद्र सिंह बघेल ने किया श्रमदान

कार्यक्रम में एसडीएम वीरेंद्र सिंह बघेल ने अधिकारियों एवं ग्रामीणों के साथ श्रमदान करते हुए तालाब और बावड़ी से गाद निकालने का कार्य किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और जल संवर्धन करना हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जल एवं मिट्टी संरक्षण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है तथा पुरानी जल संरचनाओं को उनके मूल स्वरूप में लाना समय की मांग है।

अखंड संकीर्तन से गुरुमय हुआ पेटलावद भक्ति की स्वर लहरियों में सराबोर नगर

पेटलावद। कब आओगे गुरूदेव...भक्त तुम्हें पुकारते हैं जैसे मार्मिक और भक्तिरस से ओतप्रोत भजनों की स्वर लहरियों के बीच नगर पूरी तरह गुरूमय हो उठा है। श्री सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्रम पर आयोजित तीन दिवसीय अखंड संकीर्तन एवं पादुका पूजन महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के चरम पर पहुंच गया है।

16वें वर्ष आयोजित हो रहे इस महोत्सव में दूर-दूर से गुरु भक्त पहुंचकर अखंड कीर्तन का आनंद ले रहे हैं। जानकारी अनुसार आश्रम परिसर में जय गुरूदेव सत्यगुरूदेव की अखंड धुनों से वातावरण पूर्णत: भक्तिमय हो गया है। गुजरात से पधारी भक्त मंडलियों की डोलियां चार समूहों में विभाजित होकर निरंतर भजन-कीर्तन कर रही हैं, वहीं नगर एवं आसपास के श्रद्धालु भी तन-मन से सेवाओं में जुटे हुए हैं।

एक नजर में ▸ रोड एक्सीडेंट में आर्यिका माताजी दुर्घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग

पेटलावद में सकल जैन समाज ने विहाररत संतों की सुरक्षा के लिए उठाई आवाज

पेटलावद। पेटलावद में आज महावीर समिति के बैनर तले सकल जैन समाज ने एकजुट होकर विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा और हाल ही में रीवा में हुई आर्यिका माताजी की दुर्घटना की निष्पक्ष जांच को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। सकल जैन समाज के बैनर तले समाजजनों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन तहसीलदार अनिल बघेल को सौंपा।

बड़ी संख्या में समाजजन तहसील कार्यालय पहुंचे। समाजजनों ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आर्यिका माताजी के साथ हुई दुखद घटना मात्र एक सड़क दुर्घटना नहीं है, बल्कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह गंभीर शंकाओं को जन्म देती है, जिसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्चस्तरीय जांच अत्यंत आवश्यक है। जैन समाज ने अपनी मांगों को प्रमुखता से रखते हुए कहा कि विहाररत संत पूरी तरह निहत्थे और अहिंसक होते हैं, जो समाज को शांति और संयम का संदेश देते हैं। उनके साथ लगातार ब?ती दुर्घटनाएं और हमले पूरे समाज के लिए चिंता का विषय हैं। समाज ने मांग की कि इस मामले की जांच एसआईटी (स्ब्ह्ल) या न्यायिक आयोग द्वारा कराई जाए और घटना से संबंधित सभी सीसीटीवी फुटेज व डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित कर दोषियों पर कठोरतम कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित हो।ज्ञापन में समाज ने सुरक्षा के लिए ठोस नीति की वकालत की है। महावीर समिति के अध्यक्ष संजय भंडारी, श्री संघ अध्यक्ष अशोक मेहता एवं तेरापंथ सभा अध्यक्ष नरेन्द्र पालरेचा ने मांग की है कि विहाररत संतों के लिए एक विशेष %संत सुरक्षा प्रोटोकॉल% लागू किया जाए,

भीड़ भरे क्षेत्रों में बरतें विशेष सावधानी

जिसके तहत विहार मार्गों पर प्रशासनिक समन्वय, पुलिस सहयोग, ट्रैफिक नियंत्रण और हाईवे व भीड़ भरे क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरती जाए। समाज के वरिष्ठ अनोखीलाल मेहता, दिलीप भंडारी, नरेंद्र मोदी, अनोखीलाल लोढ़ा,सुरेश मुथा, सुरेंद्र भंडारी, फूलचंद कांसवा ने मांग की कि संतों के विहार मार्गों पर सुरक्षा एवं यातायात नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु स्थायी एवं प्रभावी नीति बनाए जाने की भी मांग शासन से की गई। इस मौके पर कीर्तिश चाणोदिया, अनिल मुथा,जितेंद्र मेहता, प्रदीप पटवा , जितेंद्र कटकानी,चेतन कटकानी, चिंतन मंडलोई, लोकेश भंडारी, अजय मेहता,संजय मालवी, विजय भंडारी, मनीष भंडारी,दीपक झाडमता आदि मौजूद रहे समाजजनों ने दोहराया कि जैन समाज कानून और संवैधानिक मर्यादाओं में विश्वास रखता है, लेकिन तपस्वी संतों की सुरक्षा समाज और शासन का सामूहिक नैतिक दायित्व है।